



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बुधवार, 21 अगस्त, 1996/30 आवण, 1918

हिमाचल प्रदेश सरकार

परिवहन विभाग

अधिसूचनाएं

शिमला-2, 19 जुलाई, 1996

संख्या 6-14/83-टी० पी० टी०.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना तारीख 24-9-92 का अधिक्रमण करते हुए और मोटरयान अधिनियम, 1988 (1988 का 59) की धारा 200 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, स्तम्भ (3) में दर्शाए गए अपराधों को, अभियोजन के संस्थित किए जाने से पहले या बाद में टिप्पण “अ” और “आ” में यथा-दर्शाई गई रकम के

लिए नीचे विनिर्दिष्ट अनुसूची के स्तम्भ (1) में दर्शाई गई तत्स्थानी अधिकारिता में, स्तम्भ (2) में दर्शाये गए प्राधिकारियों को विनिर्दिष्ट करते हैं :—

अधिकारिता	अपराधों का प्रशमन करने के लिए सक्षम प्राधिकारी	अधिनियम की धारा जिसके अधीन अपराध दण्डनीय है
1	2	3
1. समस्त हिमाचल प्रदेश के लिए।	परिवहन निदेशक, हिमाचल प्रदेश	177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 186, 189, 190 (2), 191, 192, 194, 196 और 198.
2. —यथोपरि—	सचिव, राज्य परिवहन प्राधिकरण, हिमाचल प्रदेश	—यथोपरि—
3. जिला के भीतर	(1) जिला मैजिस्ट्रेट (2) अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट	—यथोपरि—
4. उनके अपने-अपने क्षेत्र के भीतर।	शिमला, मण्डी और धर्मशाला हिमाचल प्रदेश के क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी।	—यथोपरि—
5. उनकी अपनी-अपनी अधिकारिता के भीतर।	हिमाचल प्रदेश में समस्त पंजीकरण और अनुज्ञप्ति प्राधिकारी।	—यथोपरि—
6. समस्त हिमाचल प्रदेश के लिए।	सहायक आयुक्त (तकनीकी), हिमाचल प्रदेश	180, 181, 182, 184 और 190 (2).
7. उनकी अपनी-अपनी अधिकारिता के भीतर।	पुलिस अधिकारी (ट्रैफिक पुलिस सहित) जो पुलिस उप-अधीक्षक के नीचे की पंक्ति के न हों।	179, 180, 181, 182, 183, 189, 184, 186 और 198.
8. —यथोपरि—	प्रवर्तन और सतर्कता विभाग के अधिकारी जो उप-अधीक्षक के नीचे की पंक्ति के न हों।	—यथोपरि—
9. उनकी अपनी-अपनी अधिकारिता के भीतर।	(1) प्रबन्ध निदेशक, हिमाचल पथ परिवहन निगम (2) कार्यकारी निदेशक, हिमाचल पथ परिवहन निगम (3) हिमाचल पथ परिवहन के समस्त महा प्रबन्धक (4) समस्त प्रभागीय प्रबन्धक, हिमाचल पथ परिवहन निगम (5) समस्त उप-प्रभागीय प्रबन्धक, हिमाचल पथ परिवहन निगम (6) समस्त क्षेत्रीय प्रबन्धक, हिमाचल पथ परिवहन निगम (7) समस्त प्रबन्धक (तकनीकी), हिमाचल पथ परिवहन निगम (8) समस्त प्रबन्धक (ट्रैफिक), हिमाचल पथ परिवहन निगम (9) समस्त मुख्य निरीक्षक एवं निरीक्षक, हिमाचल पथ परिवहन निगम।	178 178 178 178 178 178 178 178 178

शमन की रकम

टिप्पण 'अ'.—स्तम्भ 3 में ब्यौरेवार वर्णित धारा 178 के अलावा, अन्य धाराओं के लिए अपराधों के शमन के लिए न्यूनतम रकम उस पर विहित अधिकतम राशि के आधे से कम नहीं होगी।

टिप्पण 'आ'.—धारा 178 के अधीन, शमन के लिए, अपराधों के शमन के लिए अधिकतम रकम देय किराए से 10 गुना से कम नहीं होगी या 100/- रुपये, जो भी अधिक हो पर 500/- रुपये से अधिक नहीं होगी। जिस दूरी तक वास्तव में यात्रा की हो, के लिए एक तरफ के किराए के बराबर टिप्पण-‘अ’ में विनिर्दिष्ट शमन राशि से अधिक होगी और यह परिवहन आपरेटरों को देय होगी।

शमन फीस के रूप में इकट्ठी हुई रकम शीर्ष 0041—यानों पर कर, 101—प्राप्ति मोटरवाहन अधिनियम, 04—शास्ति के अधीन जमा की जाएगी।

Shimla-2, the 19th July, 1996

No. 6-14/83-TPT.—In supersession of this Department notification of even number, dated 24-9-1992 and in exercise of powers conferred by sub-section (1) of section 200 of the Motor Vehicles Act, 1988 (Act No. 59 of 1988), the Governor, Himachal Pradesh is pleased to specify the authorities as shown in column No. 2 to compound the offences as shown in column No. 3, either before or after the institution of the prosecution, for the amount as indicated in note A and B in the corresponding jurisdiction as shown in column No. 1 of the schedule given below :—

Jurisdiction	The authorities competent to compound the offences	Section of the Act under which offences are punishable
1	2	3
1. For whole of Himachal Pradesh.	Director Transport, Himachal Pradesh.	177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 186, 189, 190 (2), 191, 192, 194, 196 and 198.
2. -do-	Secretary, State Transport Authority, Himachal Pradesh.	-do-
3. Within district	(1) District Magistrate (2) Addl. Distt. Magistrate	-do- -do-
4. Within their respective regions.	Regional Transport Officers, Shimla, Mandi and Dharamshala (H.P.).	-do-
5. With their respective jurisdiction.	All the registering and Licensing Authorities in Himachal Pradesh.	-do-
6. For whole of Himachal Pradesh.	Assistant Commissioner (Technical), Himachal Pradesh.	180, 181, 182, 184 and 190 (2).

1	2	3
7. Within their respective jurisdiction.	Police Officers (including Traffic Police) not below the rank of Deputy Superintendent Police.	179, 180, 181, 182, 183, 184, 186, 189 and 198.
8. -do-	Officers of the Directorate of Enforcement and Vigilance Deptt. not below the rank of Deputy Supdt. of Police.	-do-
9. Within their respective jurisdiction.	(1) The Managing Director, H.R.T.C.	178
	(2) The Executive Director, H.R.T.C.	178
	(3) All the General Managers in H.R.T.C.	178
	(4) All the Divisional Managers, H.R.T.C.	178
	(5) All the Dy. Divisional Managers, H.R.T.C.	178
	(6) All the Regional Managers, H.R.T.C.	178
	(7) All Managers (Technical), H.R.T.C.	178
	(8) All Managers (Traffic), H.R.T.C.	178
	(9) All Chief Inspectors and Inspectors, H.R.T.C.	178

AMOUNT OF COMPOSITION

Note-A .—For composition under section other than section 178 detailed in column (3), the minimum amount for compounding offences shall not be less than half of the maximum penalty prescribed therefor.

Note-B .—For composition under section 178, the Maximum amount of compounding offences shall not be less than 10 times of the fare due or Rs. 100/- whichever is higher subject to maximum of Rs. 500/-. Amount equivalent to one single fare for distance actually travelled over and above the composition amount specified in Note-A and shall be payable to the Transport Operators.

The amount collected as composition fee will be deposited in the head 0041—Taxes on Vehicles. 101—Receipts under the Indian Motor Vehicles Act, 04—Penalty.

शिमला-2, 13 अगस्त, 1996

संख्या 1-1/84-परिवहन.—मोटोरान अधिनियम, 1988 (1988 का अधिनियम संख्या 59) की धारा 68 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल पूर्वोक्त धारा की उप-धारा (2) में विनिर्दिष्ट शक्तियों तथा कृत्यों के अपने-अपने क्षेत्र में प्रयोग और निर्वहन हेतु निम्नलिखित रूप में क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरणों, शिमला, मण्डी एवं धर्मशाला का गठन करते हैं:—

क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण, शिमला

सरकारी सदस्य :

1. मण्डलायुक्त, शिमला

.. अध्यक्ष

गैर-सरकारी सदस्य :

2. श्री शौंकिया राम कश्यप, भूतपूर्व विधायक

.. सदस्य

3. श्री आर० पी० चन्देल, भूतपूर्व विधायक

.. सदस्य

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, शिमला

.. सचिव

क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण, मण्डी

सरकारी सदस्य :

1. मण्डलायुक्त, मण्डी

.. अध्यक्ष

गैर-सरकारी सदस्य :

2. श्री प्रेम कौशल, डोगरा हाऊस, हीरा नगर, हमीरपुर

.. सदस्य

3. श्री डी० डी० ठाकुर, भूतपूर्व विधायक

.. सदस्य

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, मण्डी

.. सचिव

क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण, धर्मशाला

सरकारी सदस्य :

1. मण्डलायुक्त, कांगड़ा

.. अध्यक्ष

गैर-सरकारी सदस्य :

2. श्री हरी दत्त शर्मा, विधायक

.. सदस्य

3. श्री मेहर चन्द, ग्राम व डाकखाना ज्वालामुखी, जिला कांगड़ा

.. सदस्य

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, धर्मशाला

.. सचिव

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी इसमें केवल सचिव के रूप में ही कार्य करेंगे तथा प्रशासनिक और दफतरी कामकाज में भी पूर्ण सहायता करेंगे ।

उपरोक्त विधान सभा सदस्यों की सदस्यता केवल एक वर्ष के लिए होगी ।

क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण के सरकारी तथा गैर-सरकारी सदस्यों का यात्रा भत्ता तथा दैनिक भत्ता बाद में निर्धारित किया जाएगा ।

शिमला-2, 13 अगस्त, 1996

संख्या 1-1/84-परिवहन.—मोटरयान अधिनियम, 1988 (1988 का अधिनियम संख्या 59) की धारा 68 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल पूर्वोक्त धारा की उप-धारा (2) में विनिर्दिष्ट शक्तियों तथा कृत्यों के समस्त राज्य में प्रयोग और निर्वहन हेतु निम्नलिखित रूप में राज्य परिवहन प्राधिकरण का गठन करते हैं:—

सरकारी सदस्य :

- | | |
|-------------------|------------|
| 1. सचिव (परिवहन) | .. अध्यक्ष |
| 2. निदेशक, परिवहन | .. सदस्य |

गैर-सरकारी सदस्य :

- | | |
|--|----------|
| 1. श्री कुलदीप सिंह पठानिया, विधायक (भटियात) | .. सदस्य |
| 2. श्री मनजीत सिंह डोगरा, विधायक | .. सदस्य |
| 3. सचिव, राज्य परिवहन प्राधिकरण | .. सचिव |

सचिव, राज्य परिवहन प्राधिकरण इसमें केवल सचिव के रूप में ही कार्य करेंगे तथा प्रशासनिक और दफ्तरी कामकाज में भी पूर्ण सहायता करेंगे ।

उपरोक्त विधान सभा सदस्यों की सदस्यता केवल एक वर्ष के लिए होगी ।

राज्य परिवहन प्राधिकरण के सरकारी तथा गैर सरकारी सदस्यों का यात्रा भत्ता तथा दैनिक भत्ता बाद में निर्धारित किया जायेगा ।

आदेश द्वारा,

एस0 एस0 परमार,
वित्तायुक्त एवं सचिव ।